ई संदेश

06 अगस्त, 2026 | अंक - 217

सात दिन, सात पृष्ठ

- समग्र विकास की ओर अग्रसर होता गाजीपुर: 268 विकास परियोजनाओं का हुआ लोकार्पण एवं शिलान्यास
- किसानों की समृद्धि और मण्डियों के आधुनिकीकरण पर मुख्यमंत्री ने दिया जोर
- उत्तर प्रदेश अब वैश्विक व्यापार और विनिर्माण का नया केन्द्र: मुख्यमंत्री
- गरिमामय ढंग से संपन्न होंगे स्वतंत्रता सप्ताह के आयोजन: यूपी के 5 करोड़ घरों पर लहराएगा तिरंगा
- विधायिका जन-आवाज का सशक्त माध्यम: मुख्यमंत्री
- अनुपूरक बजट प्रदेश के प्रत्येक वर्ग के कल्याण एवं विकास के लिए समर्पित
- उत्तर प्रदेश विधानसभा- वर्ष 2026 का तृतीय (मानसून) सत्र 3 से 5 अगस्त 2026 की झलकियां

समग्र विकास की ओर अग्रसर होता गाजीपुर: 268 विकास परियोजनाओं का हुआ लोकार्पण एवं शिलान्यास

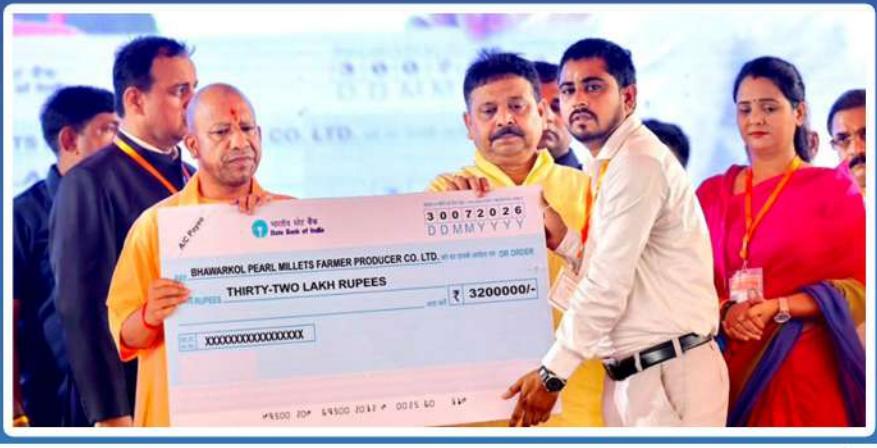

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 30 जुलाई, 2026 को जनपद गाजीपुर में 692 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 268 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र व प्रमाण पत्र प्रदान किए। मुख्यमंत्री जी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश विकास के नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित गाजीपुर का निर्माण अत्यंत आवश्यक है, जिसमें समाज के हर वर्ग को विकास का सारथी बनना होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि देश को सही मायने में आत्मनिर्भर और विकसित बनाने में युवा, अन्नदाता किसान, गरीब और महिलाओं की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है। डबल इंजन की सरकार बिना किसी भेदभाव के इन वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है, जिसके परिणामस्वरूप प्रदेश में नौ लाख से अधिक युवाओं को रोजगार और किसानों को ऋण माफी व सम्मान निधि का अभूतपूर्व लाभ प्राप्त हुआ है।

गाजीपुर की ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और शौर्यपूर्ण महत्ता को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह महर्षि विश्वामित्र की पावन तपोभूमि है, जहां प्रभु श्रीराम ने राक्षसों का संहार कर क्षेत्र को भयमुक्त किया था। अपनी गौरवशाली परम्परा का निर्वहन करते हुए प्रदेश सरकार स्पिरिचुअल टूरिज्म और ऐतिहासिक धरोहरों के पुनरुद्धार पर विशेष बल दे रही है।

बुनियादी ढांचे में हुए अभूतपूर्व सुधारों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनपद में 225 करोड़ रुपये की लागत से महर्षि विश्वामित्र मेडिकल कॉलेज का लोकार्पण किया जा चुका है। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेन्ट योजना के अन्तर्गत कार्य, 06 पशु चिकित्सालियों के भवनों, पर्यटन विकास की 06 परियोजनाओं और बाढ़ अवरोधक कार्यों का भी लोकार्पण किया जा चुका है। 04 कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में एकेडमिक ब्लॉक और छात्रावास के निर्माण का कार्य सम्पन्न हो चुका है। यहां के मेडिकल कॉलेज में बालिकाओं के लिए 10 करोड़ रुपये की लागत से नर्सिंग कॉलेज की स्थापना की गयी है। पुलिसकर्मियों के लिए बैरेक और हॉस्टल का निर्माण किया गया है। अलग-अलग चौकियों व थानों को भी इस व्यवस्था से जोड़ा जाएगा।

यहां मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय का निर्माण किया जा रहा है। अमृत योजना के अन्तर्गत अनेक पेयजल और सीवरेज योजनाओं को आगे बढ़ाने का काम हो रहा है। यहां के जनप्रतिनिधियों के माध्यम से जिन विकास परियोजनाओं के प्रस्ताव भेजे जाएंगे, प्रदेश सरकार उन्हें त्वरित गति से आगे बढ़ाएगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सभी जरूरतमन्दों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव उपलब्ध कराया जा रहा है। इनमें आवास, शौचालय, निःशुल्क राशन, आयुष्मान, रसोई गैस कनेक्शन तथा निजी ट्यूबवेल के लिए निःशुल्क बिजली आदि सुविधाएं सम्मिलित हैं। पी0एम0 सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से बिजली का बिल आधे से भी कम हुआ है। आज गाजीपुर फोर-लेन कनेक्टिविटी और पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के माध्यम से प्रदेश के प्रमुख शहरों से जुड़ चुका है। उन्होंने कहा कि सुदृढ़ कानून-व्यवस्था और जीरो टॉलरेन्स की नीति के कारण आज उत्तर प्रदेश देश के पटल पर एक सशक्त, सुरक्षित और शांतिपूर्ण राज्य के रूप में स्थापित हो चुका है।

किसानों की समृद्धि और मण्डियों के आधुनिकीकरण पर मुख्यमंत्री ने दिया जोर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 31 जुलाई, 2026 को अपने सरकारी आवास पर उत्तर प्रदेश राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद के संचालक मण्डल की 172वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए किसानों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण निर्देश दिए। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने स्पष्ट किया कि किसानों के मेधावी बच्चों के लिए संचालित 'मुख्यमंत्री कृषक छात्रवृत्ति योजना' का दायरा और अधिक बढ़ाया जाएगा, ताकि ग्रामीण अंचलों के ज्यादा से ज्यादा पात्र विद्यार्थियों को इसका सीधा लाभ मिल सके।

मण्डियों की दशा और दिशा सुधारने पर विशेष बल देते हुए मुख्यमंत्री जी ने बताया कि प्रदेश की मण्डियों का बड़े पैमाने पर आधुनिकीकरण और पुनरुद्धार किया जाएगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मण्डियों में पेयजल, स्वच्छता और प्रकाश जैसी सभी मूलभूत सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा जिससे हमारे अन्नदाताओं को एक पारदर्शी और बेहद सुविधाजनक विपणन व्यवस्था मिल सके। उन्होंने पीपीपी मॉडल पर कृषि उपज प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना को प्रोत्साहित करने पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री जी ने विश्वास जताया कि नियमों को निवेश अनुकूल बनाने से किसानों को उपज का बेहतरीन मूल्य मिलेगा और साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसरों में अभूतपूर्व वृद्धि होगी।

तकनीक और प्राकृतिक खेती के समावेश पर बोलते हुए मुख्यमंत्री जी ने अधिकाधिक मण्डियों को 'ई-नाम' (राष्ट्रीय कृषि बाजार) प्लेटफॉर्म से जोड़ने की बात कही। उन्होंने राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन से किसानों को जोड़ने और हर जिले में ऑर्गेनिक उत्पादों के सर्टिफिकेशन की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित करने का भी संकल्प दोहराया।

किसानों के कल्याण के प्रति सरकार की अटूट प्रतिबद्धता जताते हुए मुख्यमंत्री जी ने वर्ष 2026-27 के लिए 3025.49 करोड़ रुपये के महात्वाकांक्षी बजट को अपनी स्वीकृति प्रदान की। मुख्यमंत्री जी ने हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि मण्डी समितियों की आय में 15.79 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज हुई है और यह बढ़कर 2305.80 करोड़ रुपये हो गई है। किसानों को मजबूत सुरक्षा कवच प्रदान करते हुए मुख्यमंत्री जी ने 'कृषक दुर्घटना सहायता योजना' और 'खेत-खलिहान अग्निकाण्ड दुर्घटना सहायता योजना' को वर्ष 2030 तक बढ़ाने का दूरदर्शी फैसला लिया।

बैठक में मूल्य समर्थन योजना (पी0एस0एस0) के अन्तर्गत दलहन एवं तिलहन खरीद व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न सहकारी संस्थाओं को ब्याज मुक्त कार्यशील पूँजी उपलब्ध कराने के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। परिषद के वित्तीय एवं प्रशासनिक विषयों से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों पर निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री जी ने विगत बोर्ड बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुपालन की समीक्षा करते हुए, सभी किसान हितैषी एवं विकास कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उत्तर प्रदेश अब वैश्विक व्यापार और विनिर्माण का नया केन्द्रः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 31 जुलाई, 2026 को उत्तर प्रदेश इण्टरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) के चौथे संस्करण के आयोजन की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की और उत्तर प्रदेश को वैश्विक व्यापार, विनिर्माण और निर्यात के अग्रणी केन्द्र के रूप में स्थापित करने सम्बन्धी व्यापक चर्चाएं कीं। मुख्यमंत्री जी ने आगामी 25 से 29 सितम्बर तक ग्रेटर नोएडा स्थित इण्डिया एक्सपो सेण्टर एण्ड मार्ट में आयोजित होने वाले इस भव्य आयोजन को प्रदेश की औद्योगिक और आर्थिक प्रगति का स्वर्णिम अवसर बताया।

मुख्यमंत्री जी ने अपने विचारों को साझा करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश 'अनलिमिटेड पोटेंशियल' अर्थात असीम सम्भावनाओं का प्रदेश है। उन्होंने बताया कि विगत तीन संस्करण प्रदेश के उत्पादों, उद्यमों और उद्योगों को राष्ट्रीय तथा अन्तरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने में अत्यधिक सफल रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने स्पष्ट किया कि अब यह आयोजन केवल एक व्यापार प्रदर्शनी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'मेक इन इण्डिया' और 'मेक फॉर द वर्ल्ड' के विजन को यथार्थ में बदलने वाला एक सशक्त वैश्विक मंच बन चुका है।

मुख्यमंत्री जी ने ट्रेड शो की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह उत्तर प्रदेश की नवाचार क्षमता और निर्यात सामर्थ्य को पूरे विश्व के समक्ष प्रस्तुत करने का एक अप्रतिम अवसर है। उन्होंने देश और विदेश में इस आयोजन का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया, जिससे अधिकाधिक निवेशक, खरीदार और आगन्तुक इसमें अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज करा सकें। मुख्यमंत्री जी ने सिंगापुर, ओमान, ऑस्ट्रिया, ब्राजील, थाईलैण्ड, जापान, इण्डोनेशिया और रूस सहित अन्य मित्र राष्ट्रों के साथ सघन संवाद स्थापित कर उनकी वृहद भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए भी अपना स्पष्ट मार्गदर्शन प्रदान किया।

इस वर्ष की थीम 'यूपी फॉर ग्लोबल ग्रोथ :इनोवेशन, मैन्युफैक्चरिंग एण्ड एक्सपोर्ट्स' का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री जी ने बताया कि इस आयोजन में 2,400 से अधिक प्रदर्शकों, 1.50 लाख से अधिक बी2बी खरीदारों और 85 देशों के 550 से अधिक अन्तरराष्ट्रीय खरीदारों के सम्मिलित होने का विशाल लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने पूर्ण विश्वास व्यक्त किया कि इस आयोजन से 3,200 करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू और 13,500 करोड़ रुपये से अधिक की व्यापारिक इन्क्वायरी प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री जी ने ओडीओपी, एमएसएमई, रक्षा एवं एयरोस्पेस, अक्षय ऊर्जा, ऑटोमोबाइल और स्टार्ट-अप जैसे प्रमुख क्षेत्रों की उपलब्धियों को एक ही मंच पर प्रदर्शित करने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया, जिससे प्रदेश की बहुआयामी आर्थिक क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन हो सके।

मुख्यमंत्री जी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि नॉलेज सत्रों को उद्योग जगत, निवेशकों और नव-उद्यमियों के लिए अत्यधिक ज्ञानवर्धक और व्यावहारिक बनाया जाए। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), साइबर अपराध नियन्त्रण, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, नई श्रम संहिताओं, खाद्य प्रसंस्करण और वैश्विक मुक्त व्यापार समझौतों जैसेसमकालीन विषयों पर विशेषज्ञ चर्चाओं के आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया। इसके साथ ही, मुख्यमंत्री जी ने व्यापारिक गतिविधियों के मध्य उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने के लिए शास्त्रीय संगीत, कथक और लोकनृत्यों के मनोहारी आयोजन की रूपरेखा भी प्रस्तुत की, ताकि विदेशी अतिथि प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता का आत्मीय अनुभव कर सकें।

मुख्यमंत्री जी ने आयोजन की सफलता और आगन्तुकों की सुविधा के लिए स्थानीय विश्वविद्यालयों के युवाओं की सहभागिता बढ़ाने और 'उद्यमी मित्रों' की तैनाती के लिए अधिकारियों को विशेष रूप से प्रेरित किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम स्थल तक आगन्तुकों के लिए ई-वी (इलेक्ट्रिक) बसों का सुगम संचालन सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि यह ट्रेड शो प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के हमारे संकल्प को सिद्धि तक ले जाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

मुख्यमंत्री जी ने इसी क्रम में सरदार वल्लभभाई पटेल रोजगार एवं औद्योगिक क्षेत्र विकास योजना की प्रगति का भी अवलोकन किया और इसके त्वरित क्रियान्वयन पर अपना विजन स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि प्रदेश को कौशल विकास, रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास का राष्ट्रीय केन्द्र बनाने के उद्देश्य से यह महत्वाकांक्षी योजना प्रारम्भ की गई है। मुख्यमंत्री जी ने सभी सम्बन्धित विभागों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध ढंग से कार्य आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

बैठक में मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि इस योजना के अन्तर्गत 19 जनपदों में भूमि चिन्हित कर प्रथम चरण में 17 अत्याधुनिक केन्द्र विकसित किए जा रहे हैं। उन्होंने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि इस अभिनव पहल के माध्यम से 09 क्षेत्रीय हब एण्ड स्पोक मॉडल विकसित करते हुए प्रतिवर्ष लगभग 10 लाख युवाओं को उत्कृष्ट कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर, उनमें से 80 प्रतिशत प्रशिक्षित युवाओं को सम्मानजनक प्लेसमेण्ट दिलाने का हमारा लक्ष्य अवश्य पूर्ण होगा।

गरिमामय ढंग से संपन्न होंगे स्वतंत्रता सप्ताह के आयोजन: यूपी के 5 करोड़ घरों पर लहराएगा तिरंगा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 31 जुलाई, 2026 को प्रदेशवासियों से 'हर घर तिरंगा' अभियान में बढ़-चढ़कर सहभागिता का आह्वान करते हुए इस वर्ष 05 करोड़ घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने का ऐतिहासिक लक्ष्य निर्धारित किया। मुख्यमंत्री जी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह केवल एक अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्र प्रेम, ध्वज के प्रति सम्मान और देश के गौरवशाली इतिहास से जन-जन को जोड़ने का एक राष्ट्रीय महाव्रत है, जिसे व्यापक जनभागीदारी से ही जन आंदोलन का स्वरूप दिया जा सकता है।

राष्ट्रभक्ति की भावना को और प्रगाढ़ करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री जी ने 14 एवं 15 अगस्त को प्रदेश के सभी सिनेमाघरों में राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान का अनिवार्य प्रसारण सुनिश्चित करने का दृढ़ संकल्प व्यक्त किया। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि उत्तर प्रदेश ने विगत वर्षों में इस अभियान में अभूतपूर्व जनसहभागिता के साथ पूरे देश के समक्ष एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है, जहां वर्ष 2025 में ही 4.76 करोड़ घरों पर तिरंगा फहराया गया था। उन्होंने सभी सरकारी, अर्धसरकारी संस्थानों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और आम नागरिकों से इस वर्ष भी अपने भवनों पर पूरे गर्व के साथ तिरंगा फहराने की अपील की।

आमजन को राष्ट्रीय ध्वज सहजता से उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री जी ने स्वयं सहायता समूहों, खादी ग्रामोद्योग और एमएसएमई इकाइयों को उत्पादन से जोड़ने की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने स्पष्ट किया कि राशन की दुकानों, पंचायत भवनों, जन सेवा केंद्रों, डाकघरों और पेट्रोल पम्पों के माध्यम से ध्वज का सुगम वितरण किया जाएगा। इसके साथ ही, प्रदेशभर में तिरंगा रैली, संगीत समारोह, तिरंगा प्रदर्शनी और 'सेल्फी विद तिरंगा' जैसे अनेक रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित कर पूरे प्रदेश को राष्ट्रभक्ति के रंगों में रंगा जाएगा।

अमर बलिदानियों को नमन करते हुए मुख्यमंत्री जी ने 09 अगस्त को काकोरी ट्रेन एक्शन दिवस और 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के सभी कार्यक्रमों को पूरी गरिमा के साथ आयोजित करने का संकल्प दोहराया। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के सभी स्मारकों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाने और वहां आकर्षक साज-सज्जा के साथ पुलिस बैंड की धुनों से राष्ट्रभक्ति का वातावरण सृजित करने की बात कही। मुख्यमंत्री जी ने अमर सेनानियों के परिजनों को विशेष रूप से सम्मानित कर उनके योगदान को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

आगामी 14 अगस्त को मनाए जाने वाले 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के संदर्भ में मुख्यमंत्री जी ने कहा कि देश के विभाजन की त्रासदी को केवल इतिहास के एक अध्याय के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता की प्रेरणा के रूप में नई पीढ़ी तक पहुंचाया जाना चाहिए। उन्होंने सभी जिला मुख्यालयों पर विभाजन विभीषिका विषयक प्रदर्शनी आयोजित करने का खाका पेश किया। मुख्यमंत्री जी ने पंजाबी, सिंधी, बंगाली और बांग्लादेश से आए शरणार्थी परिवारों को आमंत्रित कर उनके साथ कैंडल मार्च निकालने तथा विश्वविद्यालयों में परिचर्चाओं के माध्यम से युवाओं को राष्ट्रीय अखंडता के महत्व से अवगत कराने का उत्कृष्ट विजन प्रस्तुत किया।

विधायिका जन-आवाज का सशक्त माध्यमः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 03 अगस्त, 2026 को उत्तर प्रदेश विधान मण्डल के मानसून सत्र के प्रारम्भ होने से पूर्व विधान भवन परिसर में मीडिया प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि विधायिका आम-जन की आवाज को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का एक अत्यन्त महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने बताया कि संसदीय प्रणाली में विधायिका गरीब, किसान, युवा और महिला सहित समाज के सभी वर्गों से जुड़े अहम मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा करने तथा उन्हें एक ठोस परिणाम तक पहुंचाने का सबसे बेहतरीन प्लेटफॉर्म है।

मुख्यमंत्री जी ने इस बात पर जोर दिया कि प्रत्येक जनप्रतिनिधि को अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं को सदन के पटल पर रखने और सरकार से उनके समाधान का रास्ता निकलवाने का पूरा अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि डबल इंजन की सरकार इस लोकतान्त्रिक प्लेटफॉर्म के बेहतर उपयोग के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है, ताकि प्रदेश का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके।

गरीब कल्याण की दिशा में सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से पिछले 09 वर्षों में 06 करोड़ से अधिक गरीबों को गरीबी रेखा से बाहर निकालकर मध्यम वर्गीय श्रेणी में लाया गया है। उन्होंने बताया कि इन नीतियों के निर्माण और सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स पर हुई चर्चा में विधायिका की ही सबसे अहम् भूमिका रही है।

किसानों के योगदान की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री जी ने बताया कि उत्तर प्रदेश के परिश्रमी अन्नदाता किसान देश की कुल 11 प्रतिशत कृषि योग्य भूमि से 21 से 22 प्रतिशत खाद्यान्न का उत्पादन कर रहे हैं, जो एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के विज़न के अनुरूप आज किसानों की आय दोगुने से अधिक हो चुकी है।

मुख्यमंत्री जी ने आगे बताया कि सरकार ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के माध्यम से 24 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि पर सिंचाई सुविधा पहुंचाई है और 16 लाख किसानों के ट्यूबवेल को निःशुल्क बिजली उपलब्ध कराकर ऐतिहासिक कार्य किया है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश में अब तक 03 लाख 23 हजार करोड़ रुपये से अधिक का रिकॉर्ड गन्ना मूल्य भुगतान किसानों को किया जा चुका है और अधिकांश मिलें अब कुछ ही दिनों में सीधा भुगतान कर रही हैं।

प्रदेश में महिला सशक्तिकरण की सुखद तस्वीर पेश करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि महिला श्रम बल जो पहले मात्र 12 प्रतिशत था, वह आज बढ़कर 37-38 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने बताया कि मिशन शक्ति के अंतर्गत कामकाजी महिलाओं के लिए श्रमजीवी हॉस्टल का निर्माण और सरकारी भर्तियों में महिलाओं की 20 प्रतिशत से अधिक भागीदारी जैसे कदम आधी आबादी के स्वावलम्बन में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं।

युवाओं के रोजगार पर बात करते हुए मुख्यमंत्री जी ने बताया कि प्रदेश में 09 लाख सेअधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने कहा कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और सुरक्षित माहौल के कारण प्रदेश में निवेश का शानदार वातावरण बना है। ओडीओपी और पीएम विश्वकर्मा जैसी योजनाओं से लाखों नौजवानों को अपने ही क्षेत्र में रोजगार की गारण्टी मिली है।

कर्मचारियों के हितों की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि सरकार सभी बेसिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा के शिक्षकों सहित शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा दे रही है। उन्होंने यह बड़ी जानकारी दी कि सरकार अगले एक-डेढ़ सप्ताह के अंदर उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम की कार्यवाही लागू कर आउटसोर्स कर्मियों के लिए न्यूनतम मानदेय भी सुनिश्चित करने जा रही है। साथ ही सप्लीमेण्ट्री बजट के माध्यम से आंगनबाड़ी, आशा वर्कर, रसोइया और ग्राम चौकीदारों को भी सम्मानजनक मानदेय देने की व्यवस्था की गई है।

श्रावण मास में कांवड़ यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में शिव भक्तों की यात्रा, सुरक्षा और स्वागत के लिए भव्य प्रबंध किए गए हैं। अंत में, मुख्यमंत्री जी ने सभी जनप्रतिनिधियों और प्रतिपक्ष के सदस्यों से अपील करते हुए कहा कि वे प्रदेश की 25 करोड़ जनता के कल्याण के लिए सदन में सकारात्मक राजनीति को आगे बढ़ाएं और उत्तर प्रदेश के विकास व समृद्धि में अपना अमूल्य योगदान दें।

अनुपूरक बजट प्रदेश के प्रत्येक वर्ग के कल्याण एवं विकास के लिए समर्पित

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 05 अगस्त, 2026 को विधान भवन परिसर में मीडिया प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार विगत 09 वर्षों से प्रदेश के प्रत्येक तबके के कल्याण हेतु पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि 59,000 करोड़ रुपये से अधिक के इस अनुपूरक बजट में प्रदेश के विकास में मजबूती के साथ योगदान देने वाले प्रत्येक वर्ग को लाभान्वित करने का गम्भीर प्रयास किया गया है।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि अन्नदाता किसानों व गरीबों के लिए नई योजनाएं प्रारम्भ करने, युवाओं को स्किलिंग व रोजगार से जोड़ने तथा महिलाओं के स्वावलम्बन एवं सम्मान के लिए यह अनुपूरक बजट लाया गया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विधान सभा में पारित होने के उपरान्त यह विधान परिषद में भी पारित होगा, जिसके पश्चात इस बजट को अलग-अलग कल्याणकारी कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदेश के प्रत्येक जरूरतमन्द व्यक्ति तक पहुंचाने का काम किया जाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इस अनुपूरक बजट में नई मांगों के साथ-साथ प्रदेश की अवसंरचना को सुदृढ़ करने व एक्सप्रेस-वे के नेटवर्क को और अधिक बेहतर बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों की मांग के अनुसार समुचित धनराशि का प्राविधान किया गया है। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि प्रदेश के विकास और 25 करोड़ जनता-जनार्दन की सेवा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही आंगनबाड़ी, आशावर्कर, रसोइया, ग्राम चौकीदार तथा कोटेदार आदि का मानदेय बढ़ाने के लिए भी धनराशि की व्यवस्था की गई है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि निराश्रित महिला, वृद्धावस्था तथा दिव्यांगजन पेंशन में अभिवृद्धि के लिए प्रदेश सरकार निरन्तर प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि प्रत्येक आउटसोर्सिंग कर्मी को न्यूनतम मानदेय तथा प्रत्येक प्रकार की सामाजिक सुरक्षा गारण्टी उपलब्ध कराने हेतु प्रदेश सरकार ने 'उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम' का गठन किया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पहले शिक्षामित्रों को मात्र 03 हजार रुपये मानदेय प्राप्त होता था, जिसे प्रदेश सरकार ने बढ़ाकर पहले 10 हजार रुपये किया और तत्पश्चात इसे 18,000 रुपये कर दिया गया है। इसके साथ ही सरकार द्वारा शिक्षामित्रों को 05 लाख रुपये की कैशलेस चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध करायी गई है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अनुदेशकों का मानदेय भी 9,000 रुपये से बढ़ाकर 17,000 रुपये किया गया है और उन्हें भी कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी गई है। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि राज्य के बेसिक, माध्यमिक तथा उच्च शिक्षा से जुड़े शिक्षकों को भी कैशलेस चिकित्सा सुविधा के दायरे में लाया गया है।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा सामाजिक न्याय के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले महापुरुषों के सम्मान में इस बजट में विशेष प्राविधान किया गया है। बाबा साहब डॉ० भीमराव आम्बेडकर, महर्षि वाल्मीकि, सन्त शिरोमणि सद्गुरु रविदास जी महाराज, सामाजिक न्याय के पुरोधा और महिला शिक्षा का पुरजोर समर्थन करने वाले सन्त ज्योतिबा फुले, लोक माता अहिल्याबाई होल्कर तथा छत्रपति शाहू जी महाराज आदि महान विभूतियों के लिए 407 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इस धनराशि से इनकी मूर्तियों पर छाजन लगाने, सुरक्षित पार्क का निर्माण करने तथा बाउण्ड्री वाल बनाने का कार्य होगा, जिससे सामाजिक न्याय के सभी पुरोधाओं व महापुरुषों को उचित सम्मान प्राप्त होगा।

उत्तर प्रदेश विधानसभा- वर्ष 2026 का तृतीय (मानसून) सत्र 3 से 5 अगस्त 2026 की झलकियां

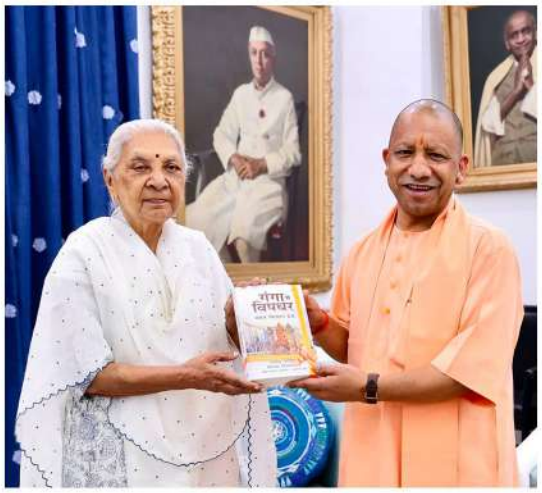

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 01 अगस्त, 2026 को जनभवन, लखनऊ में राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी से शिष्टाचार भेंट की।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, उत्तर प्रदेश के लिए निदेशक श्री विशाल सिंह, आईएएस द्वारा प्रकाशित